AMAR UJALA MY CITY Page 5

एलयू से जुड़े कॉलेजों में शिक्षकों को अब देना होगा न्यूनतम वेतन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त कॉलेजों को अपने शिक्षकों को न्यूनतम 21 हजार 600 रुपये का मासिक भुगतान करना होगा। शासन के निर्देशों के बाद लखनऊ विवि ने स्ववितपोषित पाठ्यक्रम के शिक्षकों का न्यूनतम वेतन तय कर दिया है। लविवि कुलसचिव ने इसकी सूचना शासन को भी भेज दी है। शासन ने सभी विवि को शिक्षकों का न्यूनतम वेतन तय करने का निर्देश दिया था। इसके बाद यह फैसला किया गया है।

शासन ने स्ववितपोषित पाठ्यक्रम और कॉलेजों के संबंध में गाइडलाइन तय करने के लिए एक समिति का गठन किया था। इसमें लविवि के प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष संजय मेधावी भी शामिल थे। उच्च शिक्षा विभाग ने समिति की सिफारिशों के आधार पर सभी विवि को शिक्षकों का न्यूनतम वेतन तय करने का निर्देश दे दिया। अब इस पर अमल कर दिया गया है।

राज्यपाल ने एलयू को दिए 10 लाख रुपये

लखनऊ। महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सामाजिक सरोकार के तहत लखनऊ विवि के दोनों परिसर में एक-एक प्रसाधन निर्माण के लिये कुल 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है। ऐसा पहली बार है जब लखनऊ विवि को राजभवन से इतनी बड़ी राशि का अनुदान के रूप में मिली है। दोनों परिसर में छात्राओं की संख्या छात्रों के मुकाबले कहीं अधिक है। दोनों परिसर में महिला प्रसाधन केंद्रों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि निर्माण स्थान का चयन कर लिया गया है। जल्द ही शिलान्यास किया जाएगा।

शिक्षा के स्वरूप पर पड़ा बड़ा प्रभाव

कोरोना काल में कई बड़े बदलाव हुए हैं। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। विशेषकर ई-कंटेंट और ऑनलाइन क्लास की दिशा में तेजी आई है। विवि के सभी विभागों ने यू-ट्यूब चैनल बना लिए हैं। कई संस्थानों ने इस ओर अच्छा काम किया। – प्रो. आलोक राय, कुलपति, लविवि

लोगों ने जल्दी अपनाए नए शब्द

जिस चीज का प्रभाव जितना ज्यादा होता है उसी अनुपात में उसकी शब्दावली लोगों के बीच आती है। कोरोना की तीव्रता की वजह से सोशल व डिस्टेंसिंग जैसे शब्द पहले से ही विद्यमान थे, लेकिन इस महामारी के समय इसे जोड़कर सोशल डिस्टेंसिंग के रूप में एक नया शब्द बना दिया गया। रहन-कोरोना ने सबको पीछे छोड़ दिया। – माद्री काकोटी, असिस्टेंट प्रोफेसर, भाषा विज्ञान विभाग, लविवि

बदलाव : गांव की तरफ हुआ पलायन

वर्ष 2001 से 2011 के बीच गांवों से शहरों की पलायन ने उच्चतम दर बनाई थी। इसके बाद अब पहली बार ऐसा हो रहा है कि लोग गांवों की तरफ वापस जा रहे हैं। दूसरा बदलाव गरीबी है। अभी तक गरीबी की दर करीब 20 फीसदी है। अनुमान है कि यह दर दोगुनी हो सकती है। रहन-सहन के स्तर, आय में कमी दिख रही है। – प्रो. राजेश मिश्रा, पूर्व विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, लविवि

बताईं योग की बरीकियां

लखनऊ। कोविड-19 के बीच जनहित की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ विश्वविद्यालय ने बुधवार को आर्ट ऑफ लिविंग के साथ मिलकर ऑनलाइन मेडिटेशन सत्र का आयोजन जूम एप पर 2 से 3 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन लखनऊ विवि राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉक्टर राकेश द्विवेदी ने किया। आर्ट ऑफ लिविंग की तरफ से अंतरराष्ट्रीय आर्ट ऑफ लिविंग योग शिक्षक गौरव सिंह चौहान तथा वरिष्ठ आर्ट ऑफ लिविंग योग शिक्षक सुगंधा पारेख एवं कृतिका ने योग की बारीकियों तथा योग के लाभ की चर्चा की।

NBT Page 4

'स्टे होम, स्टे सेफ' पेंटिंग से किया जागरूक

■ **एनबीटी, लखनऊः** राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ विवि और एलयू के आर्ट्स कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में भाऊराव देवरस द्वार के सामने स्टूडेंट्स ने कोरोना को लेकर इलस्ट्रेटिव पेंटिंग बनाई। इसमें 'स्टे होम, स्टे सेफ' का संदेश दिया। पेंटिंग आर्ट्स कॉलेज की शिक्षिका और राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विभावरी सिंह के निर्देशन में तैयार की गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पेंटिंग का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश द्विवेदी के साथ आर्ट्स कॉलेज के कई शिक्षक, डॉ. ओपी शुक्ला, डॉ. राहुल पाण्डेय , डॉ. राजेन्द्र वर्मा , स्टूडेंट्स और राष्ट्रीय सेवा योजना के कई अधिकारी मौजूद रहे।

बारी-बारी एलयू लैब में शोध करेंगे स्कॉलर्स

■ **एनबीटी, लखनऊः** लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने लॉकडाउन के दौरान रिसर्च स्कॉलर्स को लैब में जाने की अनुमति दी है। हालांकि, रिसर्च स्कॉलर्स को अपने शोध से संबंधित कार्यों के लिए बारी-बारी से जाने की अनुमति मिली है। एलयू के प्रवक्ता दुर्गेश कुमार ने बताया कि रिसर्च में कई बार शोधार्थियों को जरूरी एक्सपेरिमेंट्स करने होते हैं, जिसमें उन्हें काफी समय लगता है। ऐसे में उन्हें बारी-बारी बुलाकर रिसर्च वर्क करने की अनुमति दी गई है।

अवधेश कुमार बने सीडीसी के डीन

■ **एनबीटी,लखनऊः** लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को कॉमर्स विभाग के प्रो. अवदेश त्रिपाठी को कॉलेज डिवेलपमेंट काउंसिल का डीन नियुक्त किया गया है।

i-Next Page 2

अवधेश कुमार बने सीडीसी के डीन

LUCKNOW (13 May):लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बुधवार को कॉमर्स विभाग के प्रो. अवधेश त्रिपाठी को कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल का डीन नियुक्त किया गया है. इससे पहले इस पद पर प्रो. मधुरिमा लाल थी. उनके पास पहले से ही काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे देखते हुए उन्होंने सीडीसी का पद छोड़ने की बात अधिकारियों से की थी.

HINDUSTAN Page 6

राजभवन ने एलयू को आर्थिक सहायता दी

अनुदान

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय को आर्थिक मदद दी। राजभवन की ओर से विश्विद्यालय के दोनों परिसर में एक-एक प्रसाधन कॉम्प्लैक्स के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

यह पहली बार है जब लखनऊ विश्वविद्यालय को राजभवन से इतनी बड़ी राशि अनुदान के रूप में मिली है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में इस समय करीब 20 हजार छात्र-छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं। करीब 500 शिक्षक और 1600 कर्मचारी भी यहां कार्यरत हैं। दोनों परिसरों में महिला प्रसाधन केंद्रों की अपर्याप्तता को देखते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को स्थितियों से अवगत कराया गया था। राज्यपाल ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार किया और महिला प्रसाधन के लिए 10 लाख रुपये जारी कर दिए।

कुलपति ने कहा कि इस अनुदान से दोनों परिसरों में एक-एक महिला प्रसाधन कॉम्प्लैक्स का निर्माण हो सकेगा।

छात्राओं के साथ ही महिला शिक्षक और कर्मचारी भी इसका उपयोग कर सकेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज के छात्रों ने बुधवार को कोरोना से जागरूक करने के लिए पेंटिंग बनाई।

चित्र बनाकर बचाव का संदेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज के छात्रों ने भाऊराव देवरस द्वार के सामने कोरोना के प्रति जागरूक करने के लिए पेंटिंग बनाई।

राष्ट्रीय सेवा योजना, लखनऊ विश्वविद्यालय तथा आर्ट्स कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पेंटिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने इसमें योगदान करने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

सीडीसी की जिम्मेदारी प्रोफेसर अवधेश को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रशासनिक फेरबदल किया गया। वाणिज्य विभाग के प्रो. अवधेश त्रिपाठी को कॉलेज विकास परिषद (सीडीसी) के अधिष्ठाता पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभी तक प्रो. मधुरिमा लाल इस पद की जिम्मेदारी संभाल रही थी।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पद संभालने के तीन वर्ष या अगले आदेशों तक वह ये जिम्मेदारी संभालेंगे।

Pioneer Page 4

राज्यपाल ने प्रसाधन काम्प्लेक्स के लिए दिए 10 लाख रुपये

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में एक.एक प्रसाधन कांप्लेक्स के निर्माण के लिए दस लाख की आर्थिक सहायता दी है। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार राजभवन सी इतनी बड़ी राशि अनुदान के रूप में विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक विश्वविद्यालय के दोनों परिसर में वर्तमान समय में तकरीबन 20000 छात्र.छात्राएं पढ़ाई कर रहे हैं। इनके साथ ही करीब 500 शिक्षक और 1600 कर्मचारी भी कार्यरत हैं।

एलयू के सीडीसी बने प्रो अवधेश कुमार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय के निर्देश ... विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने बुधवार को कॉमर्स विभाग के प्रोफेसर अव... त्रिपाठी को कॉलेज डेवलपमेंट काउंसिल के नए डीन के रूप में आदेश जारी किया है।

RASHTRIYA SAHARA Page 5

राज्यपाल ने लविवि को दिए दस लाख

लखनऊ। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने लख़नऊ विश्विद्यालय के दोनों परिसर में एकएक प्रसाधन काम्प्लेक्स के निर्माण के लिये 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब लख़नऊ विवि को राजभवन से इतनी बड़ी राशि अनुदान के रूप में मिली है। विश्विद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि लविवि के दोनों परिसर में करीब 20 हजार छात्रछात्राएं व 500 शिक्षक और 1600 कर्मचारी कार्यरत हैं। दोनों परिसर में महिला प्रसाधन केंद्रों के दृष्टिगत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को विश्विद्यालय में महिला प्रसाधनों की दशा से अवगत कराया था। राज्यपाल ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार किया और महिला प्रसाधन के लिए 10 लाख रुपये जारी कर दिए। इससे दोनों परिसर में एक-एक महिला प्रसाधन काम्प्लेक्स का निर्माण हो सकेगा।

THE PIONEER Page 3

Guv's financial aid to LU for two toilet complexes

Lucknow (PNS): Governor Anandiben Patel has given a sum of Rs 10 lakh to Lucknow University as financial assistance for construction of two toilet complexes for girls and female staff. Media spokesperson Durgesh Srivastava said it was the first time that Lucknow University received a sizeable amount from Raj Bhawan.

The toilet complexes will be constructed in the two campuses of the university to facilitate the girl students, teachers and female staff. Lucknow University Vice-Chancellor Alok Rai had apprised the Governor of the condition of toilets for women and financial condition of the university, and the Governor had responded positively.

The media spokesperson said that land has been selected for the toilet complexes and the foundation stone would be laid by the Governor.

AAJ Page 3

प्रो. अवधेश को सीडीसी की जिम्मेदारी

लखनऊ,बुधवार। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रशासनिक फेरबदल किया गया। वाणिज्य विभाग के प्रो. अवधेश त्रिपाठी को कॉलेज विकास परिषद (सीडीसी) के अधिष्ठाता पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभी तक प्रो. मधुरिमा लाल इस पद की जिम्मेदारी संभाल रही थी। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पद संभालने के तीन वर्ष या अगले आदेशों तक वह ये जिम्मेदारी संभालेंगे।